राष्ट्रीय साप्ताहिक
जन वकालत
युवा बोध
दिनांक 27 फरवरी से 04 मार्च 2020


''सांप के फन, मक्खी के मुख और बिच्छु के डंक में जहर होता है, पर दुष्ट व्यक्ति तो इससे भरा होता हैं।''

# बच्चों और विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए आवश्यक है करियर काउंसलिंग

करियर काउंसलिंग (छात्र मार्गदर्शन) आज के समय में बहुत उपयोगी हो गई है। 10वीं करते समय बहुत से स्टूडेंट कन्फ्यूज होते हैं। वह समझ नहीं पाते कि भविष्य में किस विषय की पढ़ाई करें। आर्ट्स विषयों से पढ़े या विज्ञान विषयों से।

कॉमर्स विषय से अध्ययन करें या कोई विशेष ट्रेनिंग, डिग्री, डिप्लोमा करें। बहुत बार देखा गया है कि मां बाप अपनी इच्छाओं को बच्चों पर थोपते हैं। वे बच्चों को कुछ और बनाना चाहते हैं जबकि बच्चे कुछ और बनना चाहते है। इन सारी चीजों को लेकर एक भारी कंफ्यूजन की स्थिति बन जाती है।

इस कंफ्यूजन को दूर करने के लिए करियर काउंसलिंग आजकल होने लगी है जिसमें छात्रों की रूचि और योग्यता के अनुसार काउंसलर उन्हें सही कोर्स के बारे में बताता है। यह भी बताता है कि कौन सा कोर्स किस बच्चे के लिए अच्छा होगा।

### करियर काउंसलिंग का महत्व

**सही स्ट्रीम चुनने का मौका मिलता है**

काउंसलिंग कराने का सबसे अच्छा फायदा है कि बच्चों के लिए कौन सी स्ट्रीम सही है यह पता चलता है। 10वीं, 12वीं स्नातक और परस्नातक में सही कोर्स चुनने का मौका मिलता है। आपके बच्चे को आर्ट्स, साइंस या कामर्स से पढ़ना चाहिए इसकी जानकारी होती है। ध्यान देने वाली बात है कि बच्चों की रुचि के अनुसार ही उनकी पढ़ाई होनी चाहिए। सही स्ट्रीम का चुनाव होना बहुत आवश्यक है। बहुत से बच्चे गलत स्ट्रीम चुन लेते हैं जो उनकी रुचि से मेल नहीं खाती है। और वह पढ़ाई में अच्छा परफारमेंस नहीं कर पाते हैं। इसका नतीजा होता है कि उनके कम नंबर आते हैं और भविष्य में उन्हें नौकरी पाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

**अभिभावक बच्चों की रुचि को समझ पाते हैं**

कई अभिभावक बच्चों की रुचि को नहीं समझना चाहते हैं। वे अपनी इच्छा अनुसार बच्चे को पढ़ाना चाहते है। कुछ अभिभावक तो बच्चों के जन्म पर ही सोच लेते हैं कि बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर, टीचर, वैज्ञानिक बनाएंगे। यह सोच सही नहीं है। बच्चों को पढ़ने का अवसर उनकी रूचि के अनुसार मिलना चाहिए। जिस विषय में उनकी रुचि हो वही विषय उन्हें

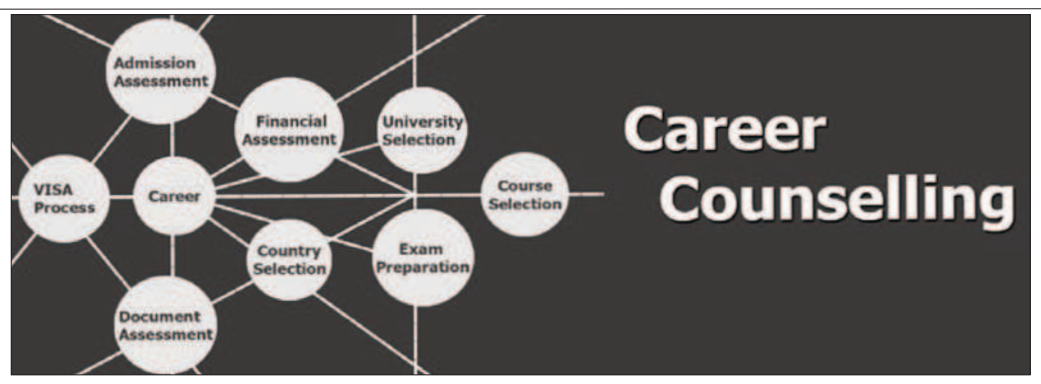


दिलाने चाहिए। काउंसलिंग के दौरान काउंसलर बच्चे से अच्छी तरह पूछते हैं कि किन विषयों में उसकी रूचि है। कुछ टेस्ट करके भी यह पता लगाया जा सकता है कि किस विषय में बच्चे की रूचि है।

**बेहतर तरह से भविष्य की तैयारी**

करियर काउंसलिंग का सबसे बड़ा फायदा है कि आप बच्चे के बेहतर भविष्य की तैयारी कर सकते हैं। हर अभिभावक का सपना होता है कि उसका बच्चा आगे चलकर बड़ा अफसर, अधिकारी बने। उसे अच्छी नौकरी मिले। वह ढेर सारे पैसे कमाए और उसका जीवन खुशियों से भर जाये। पर यह सब इतना आसान नहीं है। यदि आपका बच्चा कोई गलत कोर्स कर रहा है जो उसकी योग्यताओं से मेल नहीं खाता है तो वह आगे चलकर अच्छी नौकरी नहीं पा सकेगा। यह बहुत जरूरी है कि बच्चे को उसकी योग्यता के अनुसार पढ़ाई करवाई जाए। उदाहरण के लिए यदि बच्चे को कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो उसे कंप्यूटर से संबंधित कोर्स जैसे- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस, बीसीए, एमसीए करवाया जा सकता है।

**बहुत सारे कोर्सेज में से सही कोर्स का चुनाव करना**

करियर काउंसलिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है कि यह आपको दुविधा और कंफ्यूजन से बचाता है। आजकल एमबीए, होटल, मैनेजमेंट, बीटेक, मेडिकल, बी ऐड, डीएलएड, आईटीआई, पॉलिटेक्निक जैसे सैकड़ों कोर्स उपलब्ध है। पर इन में से सही का चुनाव करना कठिन है। इसलिए काउंसलर की मदद ली जाती है।

**गला काट कंपटीशन का आसानी से सामना करना**

यह बात तो आप भी जानते होंगे कि आज देश में नौकरियां कम निकलती हैं परंतु आवेदन करने वाले लाखों-करोड़ों की संख्या में होते हैं। आजकल देश में गला काट कंपटीशन हो गया है। ऐसे में सरकारी नौकरी पाना आसान नहीं होता। किसी भी छोटी नौकरी के लिए स्नातक से लेकर बी टेक जैसे उच्च शिक्षाधारी अभ्यर्थी भी आवेदन करते हैं। ऐसे में कंपटीशन बहुत बढ़ जाता है। यदि आपका बच्चा सही स्ट्रीम कोर्स का चुनाव करता है तो वह कंपटीशन आसानी से निकाल लेगा। पर यह तभी संभव है जब उसे उसकी रुचि के अनुसार पढ़ने का मौका मिले।

**मार्केट ट्रेंड की जानकारी**

काउंसलिंग का बड़ा फायदा यह भी है कि इससे मार्केट ट्रेंड की जानकारी मिलती है। कई स्टूडेंट ऐसे कोर्स कर लेते हैं जिसे करने के बाद भी कोई नौकरी नहीं मिलती। स्टूडेंट इधर उधर भटकते रहते हैं। अपने पैसे भी वो खर्च कर देते हैं। उसके बावजूद भी कोई फायदा नहीं होता। काउंसलर आपके बच्चे को ऐसा कोर्स करने की सलाह देते हैं जिसे करने पर फायदा हो। वे उस कोर्स को करने से मना करते हैं जिसे करने से कोई लाभ नहीं है।

**मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान**

करियर काउंसलिंग का एक बड़ा फायदा यह है कि बच्चों और छात्रों की मनोवैज्ञानिक संबंधी समस्याओं का समाधान होता है। पढ़ाई करते वक्त बच्चे कई बार मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं। आईआईटी जैसे बड़े संस्थानों में बच्चे तनाव, अवसाद और डिप्रेशन में आकर आत्महत्या कर लेते हैं। काउंसलिंग के दौरान बच्चों को इस तरह की समस्याओं का सामना करने की विधि बताई जाती है। उन्हें सही तरह से गाइडेंस दिया जाता है।

**स्टूडेंट्स की सभी समस्याओं का समाधान**

बहुत से बच्चे पढ़ाई करते हुए शराब, नशीले पदार्थों का सेवन, प्यार, यौन शोषण जैसी समस्याओं से ग्रसित हो जाते हैं। करियर काउंसलिंग के दौरान काउंसलर बच्चों से हर तरह की समस्याओं पर खुल के बात करते हैं और समस्या का समाधान प्रस्तुत करते हैं।

**बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने में मदद मिलती है**

हर बच्चे के अंदर कुछ योग्यताएं होती हैं। पर कई बार वे छिपी हुई होती हैं। करियर काउंसलिंग के द्वारा बच्चे के अंदर छिपी हुई योग्यताओं को निखारने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए बहुत से बच्चे बड़े होकर प्रशासनिक अधिकारी (सिविल सर्विसेज) बनना चाहते हैं, पर शुरू में उन्हें स्पष्ट रूप से कुछ समझ नहीं आता है। काउंसलिंग के द्वारा उनकी छिपी योग्यताओं का पता चलता है।

**इति श्री।**

**प्रस्तुति- नगेन्द्र सिंह झाला**

## रिक्तियाँ

**वैज्ञानिक-बी**

**पद- सहा. भौतिकीविद व अन्य**
**रिक्त पद- 53**
**शैक्ष.यो-एमबीबीएस,डिग्री,पीजी**
**अंतिम तिथि- 27/02/20**
**आयु - 18-45 वर्ष**

**डीआरडीओ**

पद- ट्रेड अप्रेंटशिप
रिक्त पद- 41
शैक्ष यो- आई.टी.आई
अंतिमतिथि- 06/03/20
आयु- 18 वर्ष से

**आरआरकेट**

पद- ट्रेड अप्रेंटशिप
रिक्त पद- 70
शैक्ष.यो- आई.टी.आई
अं. तिथि- 28/02/20
आयु- 20-24 वर्ष

**बीएसएफ भर्ती**

पद- एसआई, मैकेनिक व अन्य
रिक्त पद- 317
शैक्ष.यो- डिप्लोमा, डिग्री,
अं.तिथि- 15/03/20
आयु- 20-28 वर्ष

**यूपीएससी भर्ती**

पद- भारतीय वन सेवा
रिक्त पद - 90
शैक्ष.यो- कोई भी डिग्री
अंतिम तिथि-03/03/20
आयु- 21-32 वर्ष

**यूपीएससी भर्ती**

**पद- सिविल सेवा**
**रिक्त पद - 796**
**शैक्ष.यो.- कोई भी डिग्री**
**अंतिम तिथि- 03/03/20**
**आयु- 21-32 वर्ष**

**आरआरसी पूर्वी रेलवे**

**पद- अप्रेंटशिप**
**रिक्त पद- 2792**
**शैक्ष.यो- 10 वीं, आईटीआई**
**तिथि- 13/03/20**
**आयु- 15-24 वर्ष**

**पश्चिम मध्य रेलवे**

पद- प्रशिक्षु
रिक्त पद- 570
शैक्ष.यो.- 10 वीं, आईटीआई
अं.तिथि- 15/03/20
आयु- 15-24 वर्ष

**आई.ओ.सी.एल भर्ती**

**पद-तक. एवं ट्रेड अप्रेंटशिप**
**रिक्त पद- 500**
**शैक्ष.यो- डिप्लोमा, डिग्री**
**अंतिम तिथि- 20/03/20**
**आयु- 18-24 वर्ष**

# Facebook! बिना यूज करें भी रखता है आप पर नजर

सोशल मीडिया वेबसाइट फेसबुक आपके ऊपर कितने तरह से नजर रखती है शायद आपको इस बात का अंदाजा भी न हो। आपके फोन में फेसबुक बंद है, आप कोई दूसरा ऐप यूज कर रहे हैं। किसी ऐप के जरिए शॉपिंग कर रहे हैं, या फिर कॉफी ऑर्डर कर रहे हैं, फेसबुक की नजर आपकी इस ऐक्टिविटी पर भी है। आम तौर पर ऐसा होता है जब आप किसी वेबसाइट से कुछ शॉपिंग करते हैं या फिर कोई खास प्रोडक्ट के बारे में सर्च करते हैं तो कुछ ही देर में वही प्रोडक्ट आपके फेसबुक में दिखने लगता है। ये दरअसल टार्गेटेड विज्ञापन है जिसे फेसबुक यूज करता है। अब फेसबुक दूसरी वेबसाइट्स से आपका डेटा कैसा हासिल करता है इसके बारे में जानते हैं।

### Off Facebook Activity इसी बारे में है...

फेसबुक यूज न करें तो भी आपका ऑफलाइन डेटा फेसबुक के पास पहुंच जाता है। Facebook के पास एक Off Facebook Activity नाम का ऑप्शन है। हाल ही में फेसबुक ने हिस्ट्री डिलीट करने का बटन दिया है।

### कैसे काम करता है Off Facebook Activity

Off Facebook Activity के तहत दूसरी कंपनियां फेसबुक के साथ आपका डेटा शेयर करती हैं। इस डेटा में ये आपके द्वारा उन कंपनियों के साथ किया गया इंटरऐक्शन शामिल होता है। उदाहरण के तौर पर आप किसी वेबसाइट से शॉपिंग करते हैं या फिर किसी वेबसाइट को फेसबुक लॉग इन के जरिए ऐक्सेस करते हैं।

आप शॉपिंग के लिए किसी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर जाते हैं। यहां से कुछ खरीदते हैं या किसी प्रोडक्ट में दिलचस्पी दिखाते हैं। ये जानकारियां फेसबुक को भी मिलती हैं। फेसबुक का कहना है कि इससे पहले उन ऑर्गनाइजेशन को कहा जाता है कि वो यूजर्स को इसकी जानकारी दें।

### Facebook के साथ दूसरी कंपनियां ऐसे शेयर करती हैं जानकारियां

आप किसी ऑनलाइन स्टोर से कपड़े खरीदते हैं। ये शॉप आपकी ऐक्टिविटी को फेसबुक के बिजनेस टूल की मदद से फेसबुक के साथ शेयर करेगा। अब जैसे ही फेसबुक के पास आपकी जानकारी दूसरे शॉप से मिलेगी वो इसे आपके अकाउंट में सेव कर देगा।

Facebook के मुताबिक ये जानकारी इस तरह से सेव की जाती हैं - यूजर ने ई-कॉमर्स वेबसाइट विजिट किया और यहां से क्या खरीदा।

### दूसरी कंपनियां आपसे जुड़ा ये डेटा Facebook के साथ शेयर करती हैं-

आपने कौन सा ऐप ओनप किया है। आप क्या कॉन्टेंट देख रहे हैं। क्या आइटम सर्च कर रहे हैं। शॉपिंग कार्ट में क्या ऐड कर रहे हैं। क्या खरीद रहे हैं। डोनेशन की जानकारी। किसी ऐप को फेसबुक के जरिए लॉग इन करते हैं।

ये तमाम जानकारियां फेसबुक को दी जाती हैं। फेसबुक कहता है कि इस डेटा का इस्तेमाल टार्गेटेड ऐड के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप फेसबुक के इस दावे पर भरोसा करते हैं?

### इस उदाहरण के जरिए समझें-

Facebook के मुताबिक ऐसा टार्गेटेड विज्ञापन के लिए किया जाता है। डीटेल्स मिल जाने के बाद कंपनी जब ई-कॉमर्स वेबसाइट पर कपड़ों की सेल लगेगी या कोई ऑफर आएगा आपको खुद ब खुद फेसबुक का विज्ञापन दिखने लगेगा।

### हिस्ट्री डिलीट कर सकते हैं, लेकिन टार्गेटेड विज्ञापन आने बंद नहीं होंगे

फेसबुक ने दो साल पहले कहा था कि हिस्ट्री क्लियर करने का बटन आ रहा है। आखिरकार अब ये फीचर दिया गया है। इसे यूज करके आप यहां से हिस्ट्री तो डिलीट कर सकते हैं, लेकिन टार्गेटेड विज्ञापन मिलते रहेंगे।

**इति श्री।**

# पुरुषों को नहीं खाना चाहिए ज्यादा अचार

अचार का चटपटापन खाने का जायका बढ़ा देता हैं, लेकिन इसे ज्यादा खाने से इसका नुकसान स्वास्थय पर भी पड़ता है। वैसे ज्यादा अचार खाने का नुकसान हर कसी के स्वास्थय पर पड़ता है लेकनि ज्यादा सेवन पुरुषों के लिए हानिकारक हो सकता है। आम के अचार का स्वाद खट्टा तो होता ही है। ऐसा माना जाता है कि आम के अचार में एक खास तत्व भी पाया जाता है। यह पुरुषों से उनकी सेक्सुअल हेल्थ पर भी असर डालता है। आइए जानते हैं कि आम के अचार का अधिक सेवन पुरुषों के लिए क्यों हानिकारक होता है?

**इसलिए नजरअंदाज करना चाहिए**

आम का अचार खाना पुरुषों को अक्सर आम के अचार का अधिक सेवन करने से मनाही की जाती है। हालांकि कुछ लोग इसे महज मिथक मानकर टाल देते हैं। एक अध्ययन के अनुसार पुरुषों को लगातार खट्टे का सेवन करने से बचना चाहिए। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो हो सकता है कि वो उनमें नपुंसकता के लक्षण उभरने लगेंगे।

**अचार में होता है असटामिप्रिड**

हालांकि आम के अचार पर किए गए एक अध्ययन में यह बताया गया कि पुरुषों को आम के अचार का अधिक सेवन क्यों नहीं करना चाहिए। दरअसल आम के अचार में असटामिप्रिड की मात्रा होने पर ही यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। असटामिप्रिड एक कार्बनिक यौगिक है। यह दवा के रूप में आम को विभिन्न रोगों से बचाए रखने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके सेवन से धीरे-धीरे यह आपकी सेक्सुअल डिजायर को खत्म कर सकता है। इसके अलावा आपके स्पर्म काउंट में कमी आने लगती है और साथ ही नाईटफाल भी बढ़ जाता है।

**ज्यादा खाने से बचें-** आम के अचार का सेवन ज्यादा करने से बचना चाहिए क्योंकि आज के वातावरण में यह मुमकिन ही नहीं है कि बिना किसी केमिकल के किसी भी फल को तैयार कर लिया जाए। इसलिए आम के अचार के अधिक सेवन से बचें। आप चाहें तो इसकी जगह पर खाने में चटनी, सलाद या सॉस आदि को शामिल करें। सेहतमंद बने रहने के लिए अपने खान-पान में अच्छे आहार शामिल करें। **इति श्री।**

# प्रतियोगी परीक्षा हेतु- सामान्य ज्ञान

## सामान्य ज्ञान

### वायुमंडल की संरचना

»»किस वायुमंडलीय परत को 'मौसमी परिवर्तन की छत' कहा जाता है–

**क्षोभमंडल को**

»»पृथ्वी की सतह से सबसे दूर वायुमंडलीय परत को क्या कहते हैं–

**बहिर्मंडल**

»»समुद्रतल पर औसत वायुदाब कितना होता है–

**1013.25 मिलीबार**

»»वायुदाब में अचानक कमी आना किसका सूचक है–

**तूफानी मौसम**

»»ग्लोब पर दाब कटिबंधों की संख्या कितनी होती है–

**7**

»»शांत पेटी किस रेखा के दोनों ओर पायी जाती है–

**भूमध्य रेखा**

»»विश्व के सभी उष्ण मरुस्थल किस पेटी में स्थित है–

**उपोष्ण कटिबंधीय उच्च दाब पेटी**

»»सामान्य वायुदाब कहाँ पाया जाता है–

**सागर तल पर**

»»पृथ्वी के वायुमंडल का कितने प्रतिशत भाग 29 किमी. की ऊँचाई तक पाया जाता है–

**97 प्रतिशत**

»»मेघ गर्जन वायुमंडल की किस परत में होता है–

**क्षोभमंडल में**

»»किस मंडल में तापमान का अधिक चढ़ाव उतार नहीं होता है–

**समताप मंडल में**

»»किस ऋतु में क्षोभमंडल की ऊँचाई में वृद्धि होती–

**ग्रीष्म ऋतु में**

»»ओजोन परत के अवक्षय के कारण एक छिद्र बन गया है, वह छिद्र कहाँ स्थित है–

**अंटार्कटिका के ऊपर**

»»क्षोभमंडल की ऊपरी सीमा पर स्थित परत क्या कहलाती है–

**समताप सीमा**

---

### मेघ एवं वर्षण

»»ओक्टॉस मापन का प्रयोग किसके लिए किया जाता है–

**मेघाच्छादन की मात्रा**

»»कौन-सा मेघ अत्यधिक वर्षा के लिए प्रसिद्ध है–

**वर्षा स्तरी**

»»किस मेघ को 'मोती की माता' कहा जाता है–

**पक्षाभ मेघ**

»»नेफोमीटर द्वारा किसे मापा जाता है–

**बादलों की दिशा व गति**

»»कौन-सा मेघ वायुमंडल में सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित होता है–

**पक्षाभ मेघ**

»»किस मेघ का शीर्ष 'गोभी के फूल' की तरह दिखाई देता है–

**कपासी मेघ**

»»रेगिस्तानों में बादल क्यों नहीं बरसते हैं–

**कम आर्द्रता के कारण**

»»भूमध्य प्रदेश में किस प्रकार की वर्षा होती है–

**संवहनीय वर्षा**

»»कौन-सी वर्षा बिजली की चमक और बादलों की गरज के साथ होती है–

**संवहनीय वर्षा**

»»कृत्रिम वर्षा करने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है–

**सिल्वर आयोडाइड**

»»रेशेदार दिखाई देने वाले मेघ को क्या कहते हैं–

**पक्षाभ**

»»कपासी मेघ कहाँ पाए जाते हैं–

**विषुवतीय प्रदेशों में**

»»कौन-सा मेघ सूर्य एवं चंद्रमा में चारों ओर प्रभामंडल का निर्माण करते हैं–

**पक्षाभ स्तरी मेघ**

»»विश्व में अधिकांश वर्षा किस प्रकार की वर्षा होती है–

**पर्वतीय वर्षा**

»»किस क्षेत्र में जाड़े की ऋतु में वर्षा होती है–

**भूमध्य सागरीय क्षेत्र में**

»»विश्व में वर्षा का औसत कितना है–

**100 सेमी.**

»»विश्व का सबसे शुष्क स्थल कौन-सा है–

**अटाकामा**

---

### विश्व के चक्रवात

»»हरिकेन क्या है–

**एक चक्रवात**

»»चक्रवात की उत्पत्ति कैसे होती है–

**दो भिन्न तापमान वाली राशियों से**

»»चक्रवात की दिशा क्या होती है–

**उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई के विपरीत और दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई के अनुकूल**

»»चक्रवात की आकृति कैसी होती है–

**अंडाकार**

**क्रमशः**
**प्रस्तुति-**
**जयदीप सिंह कुम्पावत**

# movie review!

## 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान'

रोज हमें लड़ाई लड़नी पड़ती है जिंदगी में, पर जो लड़ाई परिवार के साथ होती है, वो सारी लड़ाई सबसे बड़ी और खतरनाक होती है। आनंद एल राय निर्मित और हितेश केवल्या निर्देशित 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' का यह डायलॉग समलैंगिक कम्युनिटी की बेबसी और संघर्ष को बयां करता है। वाकई आज भले कानून ने समलैंगिता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया हो, मगर समलैंगिक समुदाय को होमोफोबिया के रूप में अपने ही परिवारों से घृणा, तिरस्कार और रिजेक्शन सहना पड़ता है। फिल्म इस पॉइंट को साबित करने में सफल साबित होती है कि सिर्फ कानून बनाने से बात नहीं बनेगी, सामजिक तौर पर यह काउंसिलिंग होनी भी जरूरी है कि होमोसेक्शुऐलिटी कोई बीमारी नहीं बल्कि कुदरत है, प्रकृति है और उससे आप नफरत नहीं कर सक सकते।

कहानी के शुरुआती दौर में ही यह साफ हो जाता है कि कार्तिक (आयुष्मान खुराना) गे है और वह अमन त्रिपाठी (जितेंद्र कुमार) से प्यार करता है। उनका असली संघर्ष तब शुरू होता है, जब अमन की कजिन की शादी के दौरान अमन के पिता शंकर त्रिपाठी (गजराज राव) उन दोनों को ट्रेन में चुम्बन करते हुए देख लेते हैं। अमन के पिता अपने बेटे की होमोसेक्शुऐलिटी को समझ भी नहीं पाए थे कि शादी के दौरान दोनों के रिश्ते का सच सबके सामने आ जाता है। उसके बाद तो दोनों के प्यार में कई दीवारें खड़ी करने की कोशिश की जाती हैं।

कार्तिक को मारा-पीटा जाता है। संयुक्त परिवार में भाई, बहन चाचा-चाची के बीच मां (नीना गुप्ता) अमन को समझाने की कोशिश करती है कि इस 'बीमारी' का इलाज संभव है। मां पंडित जी से कर्म-कांड करवा कर अमन का अंतिम संस्कार कर उसे नया जन्म देने की विधि भी करवाती है। और तो और पिता आत्महत्या की कोशिश और धमकी देकर अमन को शादी करने पर मजबूर भी कर देते हैं। पिता और परिवार के लिए अमन शादी करने को राजी हो जाता है। मगर कार्तिक लगातार अमन को समझाता रहता है कि उसे अपने प्यार के लिए आगे आना होगा? क्या कार्तिक और अमन अपनी सेक्शुऐलिटी के साथ परिवार की ऐक्सेप्टेंस हासिल कर पाते हैं? इसे जानने के लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।